

**निरति स्त्री.** (तत्.) 1. विशेष आसक्ति या अनुराग, विशेष रति, (किसी कार्य में) लिप्तता या लीनता पुं. (तद्.) 2. नृत्य, नाच।

**निरतिशय वि.** (तत्.) परले दर्जे का, घरम, परम, सबसे बढकर, अद्वितीय, जिससे बड़ा या बढकर दूसरा न हो।

**निरधारना स.क्रि.** (तद्.) 1. निर्धारण करना 2. निश्चित करना 3. मन में समझना, सोचना 4. तय करना।

**निरधिग्रहण पुं.** (तत्.) अधिकार या अधिसूचना आदि के द्वारा किसी की संपत्ति, भूमि आदि को कानूनी रूप से लेने की प्रक्रिया को, उसी के समांतर दूसरे कानून से रोक देना एवं पहले की स्थिति में बहाल कर देना।

**निरधिष्ठान वि.** (तत्.) 1. जो अधिष्ठित न हो 2. जिसका कोई आधार/आश्रय सहारा न हो, निरवलंब, निराश्रय, बेहसारा, आश्रयहीन।

**निरनुकूल वि.** (तत्.) जो अनुकूल न हो, प्रतिकूल या तटस्थ।

**निरनुनासिक वि.** (तत्.) जिसका उच्चारण नाक से न हो, जो अनुनासिक न हो, अननुनासिक; अननुनासिक से भिन्न भाषा. वे स्वर जिनके उच्चारण में केवल मुख विवर से वायु निकलती है (नासिका विवर से नहीं) जैसे आ, ई निरनुनासिक स्वर हैं।

**निरनुनासिक्यरंजन वि.** (तत्.) अनुनासिक स्वरों को निरनुनासिक करके बोलना/लिखना।

**निरनुबंध वि.** (तत्.) बिना अनुबंध वाला, जिसमें द्विपक्षीय या बहुपक्षीय किसी भी प्रकार का कोई समझौता या करार न हुआ हो, बिना शर्तों वाला, अनुबंधरहित।

**निरनुरोध वि.** (तत्.) 1. बिना अनुरोध का, अनुरोधरहित 2. अमैत्रीपूर्ण 3. निष्ठुर, कृतघ्न 4. सद्भाव शून्य।

**निरन्न वि.** (तत्.) अन्नरहित, निराहार, बिना अन्न का, जिसमें अन्न का प्रयोग न हो।

**निरन्ना वि.** (तद्.) जिसने अन्न न खाया हो, निराहार।

**निरन्वय वि.** (तत्.) 1. संबंधरहित 2. संतान रहित, निस्संतान 3. नौकरों आदि से रहित 4. असंगत 5. दृष्टि से परे।

**निरपराध वि.** (तत्.) विधि. निर्दोष, बेकसूर, जिसने कोई दोष या अपराध न किया हो।

**निरपराधी वि.** (तत्.) दे. निरपराध।

**निरपवाद वि.** (तत्.) अपवाद रहित, जिसमें कोई अपवाद न हो, जिसमें कोई दोष न लगाया जा सके, अनिंद्य।

**निरपाय वि.** (तत्.) 1. दे. निरपवाद 2. जो नाशवान न हो 3. स्पष्ट, भ्रान्ति रहित, अभ्रान्त 4. अव्यर्थ, अमोघ।

**निरपेक्ष वि.** (तत्.) 1. स्वतंत्र और स्पष्ट, किसी अन्य की अपेक्षा न रखने वाला, जो अपने ही ऊपर अवलंबित हो 2. केवल अपना भरोसा करने वाला 3. तृष्णा से मुक्ति, विरक्ति, जो किसी बात की परवाह न करके 4. उदासीन, तटस्थ, कामना रहित, स्वार्थ रहित, निःस्वार्थ 5. परिस्थिति विशेष से प्रभावित न होने वाला, उससे सापेक्षता न रखने वाला 6. भ्रान्ति. जो सीमाओं अथवा प्रतिबंधों पर निर्भर न हो और जिसकी तुलना किसी अन्य से न की जा सके जैसे- बल का मात्रक न्यूटन, निरपेक्ष सत्ता।

**निरपेक्षता स्त्री.** (तद्.) 1. निरपेक्ष होने का गुण या भाव, किसी वस्तु आदि की अपेक्षा का अभाव, कामना या स्वार्थ का अभाव।

**निरपेक्षवाद पुं.** (तत्.) यह सिद्धांत या मत कि सापेक्ष सत्य के अतिरिक्त निरपेक्ष व शाश्वत सत्य का ज्ञान प्राप्त करना भी मनुष्य के लिए संभव है। absolutism

**निरपेक्ष सौंदर्य पुं.** (तत्.) समग्र दृष्टि से अतुल्य सौंदर्य।

**निरपेक्ष स्वीकृति स्त्री.** (तत्.) बिना शर्त, प्रतिबंध अथवा नियंत्रण के दी गई स्वीकृति।